जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 31 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 2 दिसम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया की एक रिपोर्ट के अनुसार आर्कटिक क्षेत्र में बदलते मौसम के दबाव की प्रतिक्रिया स्वरुप नारवाल अपना माइग्रेशन पैटर्न बदल रही हैं। माइग्रेशन के अध्ययन के लिए नारवाल एकदम सही जानवर हैं। इन्हें सर्वाधिक संवेदनशील आर्कटिक समुद्री जीव माना जाता है। लगभग 100 वर्ष जीने वाली यह प्रजाति मौसम के अनुसार प्रवास करती है। नारवाल छिछले और बर्फ रहित क्षेत्र से ट्रैवल करके 95 प्रतिशत बर्फ से ढके शीतकालीन आवासों तक जाती हैं। लम्बे समय से नारवाल, क्षेत्र की सी आईस में कमी जैसी स्थितियों से तालमेल करने के लिए माइग्रेशन का समय बदल रही हैं। शोधकर्ताओं ने नारवाल के व्यवहार को देखने के लिए सैटलाइट मैंज़रमैंट उपकरणों का प्रयोग किया और यह भी पता लगाया कि, कब उनका व्यवहार माइग्रेशन मोड में आ जाता है, कब ये ग्रीष्मकालीन क्षेत्रों से रवाना होती हैं तथा इनके मूवमैंट कितने डायरैक्ट हैं। युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया में पोस्ट डॉक्ट्रेट फैलो और मुख्य शोध लेखक डॉ. कोर्टनी शुअर्ट ने कहा, ''हमने कैनेडियन आर्कटिक के 21 साल के सैटलाइट डेटा का अध्ययन किया और पाया कि नारवाल के शरद प्रवास में काफी देरी हो गई है और ये ग्रीष्मकालीन क्षेत्रों में ज्यादा समय बिता रहीं हैं। यह देरी दस दिन प्रति दशक की दर से हुई है। यही नहीं, हमने यह भी देखा कि नर के रवाना होने के एक सप्ताह बाद मादा अपने बच्चों के साथ प्रवास पर निकल रही हैं।'' नारवाल को ठंडा पानी पसंद है। लेकिन आईस कवर की वजह से ठंडे पानी के खुले प्राकृतिक क्षेत्रों में कमी आ रही है इसलिए शायद ये ग्रीष्मकालीन क्षेत्रों में ज्यादा देर तक रहती हैं। सर्दी में सी आईस की मात्रा बढ़ने से इनके बर्फ में फंसने का खतरा भी बढ़ जाता है जिसकी वजह से इन्हें गहरे पानी से होकर अपने शीतकालीन आवास तक जाना पड़ता है। माइग्रेशन सम्बंधी व्यवहार में यह बदलाव जलवायु परिवर्तन की वजह से हुआ है। वरिष्ठ शोधकर्ता, डा. मारी ऑगर मेथे ने कहा कि, माइग्रेशन में देरी नारवाल के लिए अच्छी खबर नहीं है। ग्रीष्मकालीन आवासों में ज्यादा समय रहने से शिपिंग ट्रैफिक से इनके लिए खतरा बढ़ जाएगा। चूंकि ये जीव शोर के प्रति संवेदनशील हैं इसलिए गत 20 वर्षों से इनका स्ट्रैस लैवल बढ़ रहा है।

'सुबह छः बजे से चलना और दिन में 24 किलोमीटर से कम नहीं चलना'

कमलनाथ ने कथावाचक प्रदीप मिश्रा से बात करते हुए यह टिप्पणी भी कि, ''हम तो सात दिन से मर रहे हैं''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर जैसे सभ्य समाज के गैर-कांग्रेसी सदस्यों के राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेना जारी रखने के कारण और इसके हिंदी भाषी राज्य मध्य प्रदेश में प्रवेश करने के साथ ही यह दक्षिण पंथ से प्रेरित ट्रोल्स का सोशल मीडिया में लगातार निशाना बनती जा रही है।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर आज मध्य प्रदेश के उज्जैन मे राहुल गांधी की कांग्रेस यात्रा में शामिल हुईं।

इण्डियन नैशनल कांग्रेस के ऑफिशियल ट्विटर हैण्डिल ने राहुल गांधी के साथ भास्कर की एक फोटो शेयर की।

ट्वीट में लिखा गया है कि ''प्रसिद्ध अभिनेत्री स्वरा, भारत जोड़ो यात्रा का आज वास्तव में हिस्सा बन गईं। समाज के प्रत्येक वर्ग की उपस्थिति ने इस यात्रा को कामयाब बना दिया है।''

स्वरा भास्कर को ज्वलंत मुद्दों पर मुखर होकर अपनी राय व्यक्त करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने भी कांग्रेस पार्टी की पोस्ट को रिट्वीट किया।

इससे पहले, अमोल पालेकर, संध्या गोखले, मोना अंबेगांवकर, रश्मि देसाई और आकांक्षा पुरी जैसे सिने शख्सियत यात्रा में भाग ले चुकी हैं।

भाजपा नेता एवं पार्टी की आई.टी. सैल के राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इस अभियान को सक्रिय रूप से निशाना बना रहे हैं और इसकी छोटी-छोटी त्रुटियों को लेकर भी पहाड़ खड़ा कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता भी इस यात्रा के मजाक में बनने वाले ट्रोल्स का मौका देने में पीछे नहीं हैं। आज यह काम मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किया।

कमलनाथ ने एक कथावाचक से बेलाग बातचीत की, जिससे उनकी पार्टी कांग्रेस राज्य में मजाक का पात्र बन गई। कथावाचक प्रदीप मिश्रा से बातचीत का यह वीडियो बहुत सर्कूलेट हुआ है, जिसमें इस 76 वर्षीय नेता को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कठोर कार्यक्रम के बारे में शिकायत करते हुए देखा जा सकता है। यह यात्रा वर्तमान में मध्य प्रदेश से गुजर रही है।

नाथ को यह कहते हुए सुना गया- ''हम तो सात दिन से मर रहे हैं। सुबह 6 बजे से चलना और एक दिन में 24

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कमलनाथ का यह विडियो वायरल होने से भाजपा को मज़ाक बनाने का अच्छा अवसर मिल गया।
- साथ ही, दिग्विजय सिंह खरगौन जिले में यात्रा के दौरान लड़खड़ा कर गिर गए, जिससे सोशल मीडिया पर भाजपा को तंज कसने का एक और मौका मिला। जवाब में कांग्रेस ने व्यगांत्मक टिप्पणी की, मध्य प्रदेश में सड़कों की हालत पर और इसे दिग्विजय सिंह के लड़खड़ाने का कारण बताया।
- राहुल गांधी की ''फिज़िकल फिटनैस'' भी काफी चर्चा में है तथा राहुल गांधी के, पानी की टंकी पर चढ़ने व सड़क पर ''पुश-अप'' करने के विडियो भी काफी दिखे।
- यात्रा गुरूवार को प्रातः उज्जैन से रवाना हुई, एक दिन के ''ब्रेक'' के बाद तथा मध्य प्रदेश की राजस्थान सीमा पर अंतिम जिले अगर मालवा की ओर बढ़ी।
- मध्य प्रदेश के बाद, 4 दिसंबर को यात्रा राजस्थान में प्रवेश करेगी।
- गुरूवार को फिल्म तारिका स्वरा भास्कर ने यात्रा में भाग लिया, इससे पहले अमोल पालेकर, संध्या गोखले, पूजा भट्ट, रिया सेन, सुशांत सिंह, मोना अम्बेगांवकर, रश्मि देसाई व आकांक्षा पुरी भी यात्रा में भाग ले चुके हैं।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट काफी चौंकाने वाली है, भारत में तापमान की वृद्धि के बारे में

रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक 16 करोड़ भारत वासी ''हीट वेव'' के दुष्परिणाम का शिकार होंगे तथा इनमें से एक चौथाई भारतीय ''हीट वेव'' के कारण अपना रोजगार खो देंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। पृथ्वी के गर्म होने को लेकर विश्व बैंक की भविष्य वाणियों में भारत के लिए भी चिन्ताजनक भविष्यवाणी है। आज से आठ वर्ष बाद वर्ष 2030 तक 16 करोड़ से अधिक भारतीय हीट वेब्ज़ के विपरीत प्रभावों को झेलेंगे और उनमें अनुमानतः एक चौथायी लोग गर्मी के कारण कार्यक्षमता में होने वाली कमी के कारण नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे।

विश्व बैंक ने ''क्लाइमेट इन्वैस्टमैंट अपॉरचुनिटीज़ इन इण्डियाज़ कूलिंग सैक्टर'' शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में इस पर जोर दिया है कि ''हीट वेव'' कूलिंग की आवश्यकता को प्रबल रूप से बढ़ा देंगी, जिससे एयर-कंडीशनर्स और कूलर्स की मांग बढ़ जाएगी। इससे वर्ष 2040 तक 129 लाख करोड़ रूपयों के निवेश अवसर प्राप्त होंगे और 37 लाख नई नौकरियां निर्मित होंगी।

बिजली की खपत 30 प्रतिशत कम करने के लिए विश्व बैंक ने कम लागत की डिस्ट्रिक्ट कूलिंग टैक्नॉलजी का प्रस्ताव रखा है जैसे सैंट्रल प्लांट में ठंडा पानी बना कर उसे भूमिगत ऊष्मारोधी पाइप्स के जरिए कई बिल्डिंग से ये सप्लाई करना। रिपोर्ट कहती है कि ''सरकार द्वारा बनाई जा रही कुलिंग टैक्नीक्स और प्राइवेट फंडेड निर्माण से गरीब लोगों पर बढ़ते तापमान का असर नहीं पड़ेगा।''

रिपोर्ट के बढ़े हुए तापमान में परिवहन के दौरान खाद्य पदार्थों व दवाइयों के रखाब होने की संभावना बढ़ने की चेतावनी दी और कहा कि कोल्ड चेन डिस्ट्रिब्यूशन नैटवर्क की कमियां दूर की जानी चाहिए। प्रीकूलिंग और रैफ्रिजरेटेड ट्रांसप्लांट में निवेश से भोजन की क्षति के 76 प्रतिशत कमी होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी 16 प्रतिशत की कमी होगी। रिपोर्ट आगे कहती है कि लागत कम करने के उपायों में सुधार से अगले तीन वर्ष में ट्रेन्ड टैक्नीशियन्स के लिए रोजगार के दो लाख अवसर सृजित होंगे। भारत में वर्ल्ड बैंक के डॉ. यॉक्टर ऑकस्टे टानो कॉमे ने कहा ''भारत की कूलिंग रणनीति जीवन जीविका को बचाने, कार्बन उत्सर्जन कम करे और भारत को ग्रीन कूलिंग निर्माण में अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र बनने में मदद कर सकती है।''

- पर, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, ''हीट वेव'' के कारण रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशन्स व एयर कूलर्स की मांग में भारी वृद्धि होगी।
- ''कूलिंग'' इण्डस्ट्री में 129 लाख करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी तथा रोजगार के 37 लाख नये अवसर भी खुलेंगे।

कम्प्यूटर से बातचीत के लिए चिप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। टैक अरबपति एलन मस्क मस्तिष्क में इम्प्लांट करने वाला एक ऐसा चिप बना रहे हैं जिससे आप अपने विचारों के माध्यम से कम्प्यूटर से सीधे संवाद कर सकते हैं।

ऑनलाइन बिज़नैस न्यूज़ मैगज़ीन लाइव मिंट के अनुसार, इसका इन्टरफेस मस्क की कंपनी न्यूरालिंक कॉर्पोरेशन ने बनाया है, जिससे उपभोक्ता अपने कम्प्यूटर से बात कर सकेंगे और सीधे संवाद कर सकेंगे। ट्विटर सी.ई.ओ. ने कहा, छः महीनों के अंदर यह डिवाइस मनुष्य के मस्तिष्क में इम्प्लांट की जा सकेगी।

मस्क ने कहा, ''हमने अपना लगभग सारा पेपरवर्क यू.एस. के फूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफ.डी.ए.) को भेज दिया है और हम सोचते हैं कि तकरीबन छः महीनों में हमारा पहला ''न्यूरालिंक'' मनुष्य के मस्तिष्क में इम्प्लांट हो जाएगा।''

इतना ही नहीं, मस्क का लक्ष्य है कि, उनकी कंपनी जो इम्प्लांट बना रही है उसके जरिए मनुष्य में दृष्टि एवं गतिशीलता को भी बहाल किया जा सकेगा। सुनने में जहाँ यह अद्भुत लगता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अरबपति एलन मस्क मानव मस्तिष्क में लगने वाली ऐसी चिप बना रहे हैं जिससे विचारों के जरिए कम्प्यूटर से सीधे बात की जा सकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्लॉग लिखा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। भारत आज जी-20 का अध्यक्ष बना। प्रधानमंत्री कार्यालय के ट्वीट के अनुसार, इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने एक ब्लॉग लिखा है।

- जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ब्लॉग में कहा, ''भारत दुनिया में एकता की भावना को बढ़ाने के लिए काम करेगा। भारत की अध्यक्षता का दौर उम्मीद, सद्भावना और आहत भावनाओं पर मरहम लगाने का होगा।''

उन्होंने लिखा, ''चलो हम सब मिलकर भारत की जी-20 की अध्यक्षता को, समरसता, विश्वास घावों पर मरहम लगाने की अध्यक्षता बनाऐं।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ई.डी. का सक्रिय होना संकेत है कि उस राज्य में चुनाव होने जा रहे हैं'

तेलंगाना के मु.मंत्री की बेटी, कविता, जो एम.एल.सी. हैं तथा राजनीति में काफी सक्रिय हैं, ने केन्द्रीय सरकार पर तीखा कटाक्ष किया

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस.) की विधान परिषद सदस्य एवं मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की पुत्री कविता ने कहा कि ''यदि एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट'' (ई.डी.) किसी राज्य में जाता है तो यह एक तरह से किसी आसन्न चुनाव का संकेत है।

आज की तारीख में भारत का एक बच्चा भी यह बात जानता है।

टी.आर.एस. नेता ने ई.डी. का हैदराबाद में स्वागत करते हुए कहा कि ना तो वह और ना ही उनकी पार्टी ई.डी. या गिरफ्तारी या केसों से डरती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने ई.डी. के अधिकारियों का स्वागत किया है और सभी जांच-पड़ताल में उनका पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

टी.आर.एस. नेता कविता का दिल्ली के शराब घोटाले में ई.डी. की चार्जशीट में नाम है। उन्होंने गुरूवार को मीडिया कर्मियों को बताया कि दिल्ली की भाजपा सरकार का यह चलन बन गया है कि वह देश भर में यथावत रूप से चुनी गई सरकारों को हटाने और परेशान करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों का इस्तेमाल करती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब से भाजपा सरकार केन्द्र में आई है जब से 9 राज्यों में गैर भाजपाई निर्वाचित सरकारें गिरी हैं और उनकी जगह भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि जितनी चाहे कोशिश कर ले भाजपा, पर तेलंगाना में उसे सफलता नहीं मिलेगी। आज मैं, मेरे मंत्री और वरिष्ठ नेता भाजपा के निशाने पर हैं और विपक्ष की साख गिराने की मुहिम का अंग हैं। भाजपा मीडिया को चुन-चुन कर सूचनाएं लीक करती है और कई बार तो झूठी जानकारी भी देती है ताकि विपक्ष की छवि खराब की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि, लेकिन तेलंगाना में लोग जानते हैं कि क्या हो रहा है और वे भाजपा को चुनाव में सबक सिखाएंगे।

कविता ने कहा, हम इसके लिए तैयार हैं। तेलंगाना में टी.आर.एस. सरकार केन्द्र सरकार और उसकी एजेंसियों का जमकर सामना कर रही है और टी.आर.एस. 2 विधायकों को खरीदने के मामले में भाजपा को बुरी तरह से फंसा दिया है।

तेलंगाना सरकार की स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम ने चार लोगों के कॉल रिकॉर्ड कोर्ट में पेश किए हैं जो कथित तौर पर षड्यंत्र में शामिल थे इनमें से एक वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एल. संतोष हैं। इन रिकॉर्ड्स में कथित आरोपियों के बीच हुई वॉट्स एप चैट को भी आरोपों के सबूत के रूप में पेश किया है।

- जैसा कि विदित ही है, मु.मंत्री की पुत्री, दिल्ली के ''लिकर स्कैम'' में आरोपित हैं, जिसकी ई.डी. ने जांच शुरू कर दी है।

भारत की इकॉनमी के बारे में नवीनतम आंकड़ों की सबसे सुखद खबर है, सर्विस सैक्टर की लगातार बढ़ोतरी

इकॉनमी विशेषज्ञों का मानना है, फार्म सैक्टर में गिरावट न आने से खान-पान के मूल्यों में स्थिरता बरकरार है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। देश की सकल आय, जिसे ग्रोस डोमैस्टिक प्रोडक्ट (जी.डी.पी.) के नाम से अधिक जाना जाता है, के नवीनतम आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन है, और कुछ कुछ कमजोरियों के बावजूद यह सही मार्ग पर है।

आंकड़े सतत सफलता के साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था की विफलताओं, उसकी कठोरताओं और लचीलेपन के अलावा उसके संरचनात्मक ढांचे को दर्शाते हैं। शानदार घरेलू निजी उपभोग और अल्प निर्यातों के कारण ये गतिविधियां आगे बढ़ रही हैं।

वित्तीय वर्ष की द्वितीय तिमाही में जी.डी.पी. में सुखद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वैश्विक महामारी और अनिश्चितताओं के आघात को देखते हुए एक सकारात्मक संकेत है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही की तुलना में जी.डी.पी. दूसरी तिमाही में थोड़ी कम गति से आगे बढ़ी। उसे चिन्ताजनक बताया जाता रहा है। हालांकि, अक्सर यह भुला दिया जाता है कि जी.डी.पी. में वृद्धि के आंकड़ों की तुलना एक आधार से की जाती है, और अक्सर इस आधार में ही दांवपेज छुपे होते हैं। बुद्धिमानी इसी में है कि सूक्ष्म विवरणों को जाने बिना इनमें से किसी को भी गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमें नवीनतम आंकड़ों से दो महत्वपर्ण सबक मिलते हैं। पहला तो यह कि वैश्विक महामारी के दौर में असक्रिय रहने के बाद अर्थव्यवस्था पुनः पटरी पर लौट आयी है। हम फिर से एक बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जबकि दुनिया के शेष देश ऐसा बमुश्किल कर पा रहे हैं।

दूसरा, अर्थव्यवस्था के लिए कृषि सैक्टर सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। पिछली तिमाही में कृषि सैक्टर में मामूली तेजी रही। कृषि सैक्टर खाद्यान्नों की वैश्विक कमी और खाद्य पदार्थों की अनिश्चितता के इस दौर में अधिक महत्वपूर्ण बन गया है।

बढ़ता हुआ और लचीला कृषि सैक्टर देश के साथ ही कीमतों ने स्थायित्व को लेकर एक सबसे बड़ी सुरक्षा है। खाद्यान्नों की कीमतों ने देश की समग्र अर्थव्यवस्था में लय और ताल ला दी है। खाद्यान्न की कीमतों का बढ़ता स्तर अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रखने में नीति निर्माताओं के समक्ष समस्या खड़ी कर सकता था। उदाहरण के तौर पर रिज़र्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ाने के लिये बाध्य किया जाता।

लेकिन इसके साथ ही, जैसा कि नवीनतम आंकड़ों से प्रकट होता है, निर्माण सैक्टर के उत्पादन का 4.3 प्रतिशत कम होना, देश की एक बड़ी आर्थिक गतिविधि की लगातार विफलता का संकेत है। नीति निर्माताओं और भारतीय उद्योग के लिए यह समस्या का मूल विषय बना हुआ है।

सरकार और प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से देश के निर्माण सैक्टर के विकास पर जोर देते रहे हैं। इसके दो पहलू हैं। पहला तो देश की घरेलू जरूरतों को पूरा करना क्योंकि हम आयातों पर निर्भर हैं। देश के आयातों पर गौर कीजिए। हम ऐसी बहुत सी वस्तुएं विदेशों से मंगाते हैं, जिनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, इन विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि, औद्योगिक उत्पादन में कोई बढ़त न होना, बल्कि पिछली तिमाही की तुलना में कुछ गिरावट ही आना, जरूर चिंता का विषय है।
- पर, एक पेचीदा पहलू, औद्योगिक उत्पादन के बारे में यह है कि, कुछ क्षेत्रों, जैसे ऑटोमोबाइल (विशेषकर कार) निर्माण में हमारी प्रगति बहुत अच्छी है। अपनी कारें, अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की हैं और कुछ निर्यात भी हो रही हैं। पर, अन्य औद्योगिक उत्पादन में स्थिति इतनी खराब है कि, देश में आयातित होने वाले सामान की सूची देखी जाये तो, वे चीजें आज भी ''इम्पोर्ट'' हो रही हैं, जो आसानी से अपने देश में ही बनायी जा सकती हैं।
- इन आंकड़ों का यह निष्कर्ष जरूर है कि, देश की इकॉनमी बहुत हद तक, ''प्राइवेट कंज़म्पशन'' पर ही आधारित है।

'24 साल बाद भी मिलिटरी लोडर दिहाड़ी पर!'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया कि मिलिटरी लोडर्स 24 वर्षों से कार्य करने के बावजूद अब तक दिहाड़ी पर है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार और तीनों सेनाओं के प्रमुखों को नोटिस जारी कर कहा कि वे इन्हें नियंत्रित करें और वह सभी बैनिफिट्स दें जो ऐसा ही काम करने वाले रैग्यूलर लोडर्स को दिए जा रहे हैं।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने मिलिटरी लोडर्स को 24 साल की सेवा के बाद भी दिहाड़ी पर रखने पर हैरानी जताई और केन्द्र सरकार तथा तीनों सेनाध्यक्षों को नोटिस दिया।